एसोसिएशन ऑफ ओरल एंड मैक्सिलो फेशियल सर्जन्स उत्तराखंड राज्य के 5वें वार्षिक सम्मेलन में माननीय राज्यपाल महोदय का सम्बोधन

(दिनांक 14 सितम्बर, 2024)

जय हिन्द!

एसोसिएशन ऑफ ओरल एंड मैक्सिलो फेशियल सर्जन्स उत्तराखंड राज्य के 5वें वार्षिक सम्मेलन में आप सभी के बीच उपस्थित होकर मुझे अति प्रसन्नता हो रही है। इस सम्मेलन के अवसर पर मैं आप सभी को हार्दिक बधाई एवं शुभकामनाएं देता हूँ। AOMSI के नवनिर्वाचित अध्यक्ष का और उनकी टीम को भी मेरी ओर से बधाई और शुभकामनाएं!

हम यहां एक महत्वपूर्ण उद्देश्य की प्राप्ति के लिए एकत्रित हुए हैं। मैं आपके इस पुनीत उद्देश्य की सफलता की कामना करता हूँ।

मैं इस अवसर पर AOMSI (एसोसिएशन ऑफ ओरल एंड मैक्सिलोफेशियल सर्जन्स ऑफ इंडिया) की सराहना करना चाहूंगा, जो पूरे भारत में ओरल और मैक्सिलोफेशियल सर्जरी के क्षेत्र में न केवल उत्कृष्ट कार्य कर रहा है, बल्कि उभरते हुए सर्जनों को मार्गदर्शन और सहयोग भी प्रदान कर रहा है।

यह बहुत ही अच्छी बात है कि इस संगठन का विजन मैक्सिलोफेशियल सर्जनों के लिए एक मजबूत आवाज

बनना, उनके अधिकारों और मानकों की वकालत करना, और उनके साथ–साथ उनके रोगियों के शैक्षिक लाभ और कल्याण को सुनिश्चित करना, बहुत ही स्पष्ट है।

मुझे यह जानकर खुशी हुई कि यह एसोसिएशन न केवल सर्जनों की विशेषज्ञता को बढ़ावा देने के लिए प्रतिबद्ध है, बल्कि यह भी सुनिश्चित करता है कि उभरते दंत चिकित्सकों और ओरल सर्जनों को उनके कौशल में सुधार के लिए उचित अवसर मिले।

आज का सम्मेलन विशेष रूप से दंत प्रत्यारोपण के महत्व पर केंद्रित है और यह कैसे रोगियों और समुदाय के ओरल स्वास्थ्य में सुधार करने में एक महत्वपूर्ण भूमिका निभा सकता है।

हम सभी जानते हैं कि ओरल और मैक्सिलोफेशियल सर्जरी दंत चिकित्सा का एक बहुत ही विविध और जटिल क्षेत्र है। यह न केवल दंत चिकित्सा उपचारों तक सीमित है, बल्कि इसमें चेहरे की विकृतियों को ठीक करना, चेहरे के निशानों को हटाना और मरीजों के जीवन की गुणवत्ता को बढ़ाना शामिल है।

मैं यह कहना चाहूंगा कि एक ओरल और मैक्सिलोफेशियल सर्जन का काम केवल चिकित्सा उपचार तक सीमित नहीं है। वे वास्तव में समाज में एक सकारात्मक बदलाव ला सकते हैं। वे न केवल चेहरे की मुस्कान को सुधार सकते हैं, बल्कि रोगियों और उनके

परिवारों को एक बेहतर जीवन जीने की दिशा में भी प्रेरित कर सकते हैं।

हम सब जानते हैं कि स्वस्थ रहने का आशय व्यक्ति के मन और शरीर का सामंजस्य और संतुलन की स्थिति में होना है, जिसका अभिप्राय है कि स्वास्थ्य ही जीवन का आधार है। मैं मानता हूँ कि स्वास्थ्य ही परम धन है और अच्छे स्वास्थ्य के बल पर हर कार्य पूरा किया जा सकता है।

डॉक्टरों को ईश्वर का दूसरा रूप कहा जाता है। कितने ही लोग ऐसे होंगे जिनका जीवन किसी संकट, बीमारी या दुर्घटना का शिकार हुआ होगा। कई बार ऐसा लगता है कि क्या हम किसी अपने को खो देंगे। हमारे डॉक्टर्स ऐसे मौके पर जीवन की दिशा बदल देते हैं। नया जीवन दे देते हैं।

हमें मालूम है कि जब देश कोरोना से इतनी बड़ी जंग लड़ रहा था, तो डॉक्टर्स ने दिन–रात मेहनत कर लाखों लोगों का जीवन बचाया। ये पुण्य काम करते हुए देश के कई डॉक्टर्स ने अपना जीवन भी न्योछावर कर दिया।

मेरा मानना है कि स्वास्थ्य हमारे निर्णयों के केंद्र में होना चाहिए। चाहे वह दवा और वैक्सीन वितरण के संबंध में हो या अपने लोगों को घर वापस लाने के संबंध में हो,

कोविड काल ने हमें अंतरराष्ट्रीय सहयोग की अहमियत भी समझायी है।

यह हम सभी के लिए गर्व का विषय है कि इस काल में वैक्सीन मैत्री पहल के तहत, भारत ने ग्लोबल साउथ के अनेक देशों सहित 100 से अधिक देशों को 300 मिलियन वैक्सीन की खुराक वितरित की।

हमें अगली स्वास्थ्य आपात स्थिति की रोकथाम करने, तैयार रहने और मुकाबला करने के लिए तत्पर रहना चाहिए। यह मौजूदा परस्पर संबद्ध दुनिया में यह विशेष रूप से महत्वपूर्ण है।

प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी जी के नेतृत्व में देश में स्वास्थ्य संबंधी बुनियादी ढांचे का विस्तार किया जा रहा है। आज दुनिया भर में अंतर्राष्ट्रीय योग दिवस का आयोजन समग्र स्वास्थ्य की सार्वभौमिक इच्छा का प्रतीक है। मैं योग के बारे में जागरूकता का प्रचार करने के लिए भी चिकित्सा समुदाय की सराहना करता हूँ।

हम सभी जानते हैं कि साफ हवा, सुरक्षित पेयजल, पर्याप्त पोषण और सुरक्षित आश्रय स्वास्थ्य के प्रमुख कारक हैं। ”एक पृथ्वी, एक स्वास्थ्य“ का भारत कर विजन पूरे इकोसिस्टम– मनुष्यों, पशुओं, पौधों और पर्यावरण के अच्छे स्वास्थ्य की परिकल्पना करता है।

विकसित भारत 2047 के लक्ष्य को हासिल करने के लिए हम सभी को मिलकर 'स्वस्थ भारत' की राह पर चलना चाहिए, मेरा मानना है कि है इस मुहिम में डॉक्टर्स की भूमिका सबसे अहम रहने वाली है।

प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी जी के नेतृत्व में देश में स्वास्थ्य सेवाओं के सुधार के लिए कई महत्वपूर्ण कदम उठाए गए है। पिछले महीने ही 15 अगस्त को स्वतंत्रता दिवस के अवसर पर प्रधानमंत्री श्री मोदी जी ने अगले 5 वर्षों के दौरान चिकित्सा की 75,000 नई सीटें जोड़ने की योजना की घोषणा की। इसका उद्देश्य देश की चिकित्सा शिक्षा क्षमता को बढ़ाना और स्वास्थ्य पेशेवरों की बढ़ती मांग को पूरा करना है।

आज डिजिटल तकनीक हमारे जीवन के हर पहलू में क्रांति ला रही है। नवीनतम तकनीक का उपयोग करते समय आपको यह सुनिश्चित करना चाहिए कि उपचार और प्रत्यारोपण आम आदमी की पहुंच में हों। हमें लोगों को उचित ओरल स्वच्छता बनाए रखने और स्वस्थ समाज सुनिश्चित करने के लिए समय–समय पर दंत चिकित्सकों के पास जाने के लिए प्रोत्साहित करने की आवश्यकता है।

खराब ओरल स्वच्छता भी ओरल रोग के लिए एक जोखिम कारक है। दंत रोगों के दिन–प्रतिदिन बढ़ने के साथ, मैं सभी दंत चिकित्सा छात्रों और सर्जनों से लोगों के बीच जागरूकता पैदा करने के लिए नियमित अभियान शुरू करने की अपील करता हूं, खासकर ग्रामीण क्षेत्रों में, जो

आम तौर पर दंत चिकित्सकों सहित चिकित्सा पेशेवरों की कमी का सामना कर रहे हैं।

मैं चाहूंगा कि आप ग्रामीण क्षेत्रों में दंत चिकित्सा शिविर आयोजित करें। मुझे यकीन है कि यह पहल जरूरतमंदों की मदद करेगी। दंत चिकित्सकों पर भी ओरल कैंसर के खिलाफ लड़ाई को आगे बढ़ाने की बड़ी जिम्मेदारी है, जो देश में प्रमुख कैंसर में से एक है।

तंबाकू और शराब के सेवन जैसे जोखिम कारकों के खिलाफ एक व्यापक अभियान शुरू करने और लोगों को स्वस्थ जीवन शैली अपनाने हेतु जागरूक करने में आप महत्वपूर्ण भूमिका निभा सकते हैं। यह दुर्भाग्यपूर्ण है कि अधिकांश मामलों में, रोग का निदान एक उन्नत चरण में किया जाता है, इसे रोकने की आवश्यकता है।

आप वंचित बच्चों और समाज की मदद कर रहे हैं और देश वासियों को एक नई मुस्कान दे रहे हैं, इसलिए मैं यह कहना चाहूंगा कि एक ओरल और मैक्स आधिकारिक सर्जन चेहरे की मुस्कान को बेहतर बना सकता है साथ ही रोगी और समाज को बेहतर जीवन दे सकता है।

मैं फिर से AOMSI और सभी ओरल और मैक्सिलोफेशियल सर्जनों के द्वारा हमारे समाज के स्वास्थ्य और कल्याण के लिए किए जा रहे प्रयासों की सराहना करता हूं। आशा करता हूं कि हम सब मिलकर ओरल

और मैक्सिलोफेशियल सर्जरी के क्षेत्र में और अधिक प्रगति करेंगे।

'सभी सुखी हों, सभी रोग मुक्त हों' मैं इस महत्वपूर्ण विचार–विमर्श में आपकी सफलता की कामना करता हूं। अंत में इस सम्मेलन में सभी प्रतिभागियों को मेरी हार्दिक शुभकामनाएं।

जय हिन्द!